

## মুক্তিগীতি

এ গান আমার

আলোর ঝর্ণাধারা।

উপল পথে দিনে রাতে  
বহে যাই—

বহে যাই বাঁধন হারা,  
আলোর ঝর্ণাধারা,  
এ গান আমার.....

এ পথ আমার বন্ধুর কণ্টক ভরা  
উঁস হতে প্রাণের শ্রেতে  
ভেঙ্গে যাই—  
ভেঙ্গে যাই পাষাণ কারা  
আলোর ঝর্ণাধারা  
এ গান আমার.....

(দেওঘর, ১৭ই সেপ্টেম্বর ১৯৮২)

তাল : কাহার বা ডবল, ৪ মাত্রা

১	০	১	০
II	সা রা গা -। I	গ ধা পা -। I	রা -। গা -। I
এ	০ গা ন্।	আ ০ মা র্।	আ ০ লো র্।
I	ন্য -। সা -। I	-। -। -। I	পা ক্ষা গা মা I
ধ	০ রা ০।	০ ০ ০ ০।	উ প ল প।
I	পা ক্ষা গা মা I	গা -। -। I	গা -। -। -। I
দি	০ নে রা।	তে ০ ০ ০।	ব ০ যে যা।
I	গ মা পা ধা।	পা পা গা মা।	গা -। -। -। I
ব	যে যা ঈ।	বাঁ ধ ন হ।	রা ০ ০ ০।
			আ ০ লো র্।

I सा - रा - | ना - सा - | - - - - II  
व र् गा ० धा ० रा ० ० ० ० ०

II सा रा गा - I  
ए ० प थ्

I गा धा पा - I रा - गा गा I सा - रा रा I ना - सा - I  
आ ० मा व् ब न् धु र क न् ट क ड ० रा ०

I - + - + - I पा - + गा मा I गा - + - + I पा पा गा मा I  
० ० ० ० उ ९ स ह ते ० ० ० आ गे र स्त्रे

I गा - + - + I पा - + क्षा पा I - + - + - I गा मा पा धा I  
ते ० ० ० भे ० भेया ० ० ० उ भे भेया उ

I पा पा गा मा I गा - - - I रा - + गा - I सा - + रा - I  
पा षा ण का रा ० ० ० आ ० लो व् व र् गा ०

| ना - सा - | - + - + - II II  
धा ० रा ० ० ० ० ०